भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 660
बुधवार, 1 दिसम्बर, 2021 को उत्तर दिए जाने के लिए

वर्षा में भिन्नता

660 **श्री एस.आर. पार्थिबन:**
श्री विजयकुमार उर्फ विजय वसंत:

क्या पृथ्वी विज्ञान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) प्रत्येक राज्य/संघ राज्यक्षेत्र में जून और अक्तूबर, 2021 के बीच दर्ज वास्तविक वर्षा कितनी हुई है;
(ख) उपर्युक्त अवधि के दौरान विभिन्न राज्यों में दर्ज की गई वर्षा की सघनता का ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या सरकार ने उन क्षेत्रों की पहचान की है जिनमें वर्षा के बीच अंतर था;
(घ) यदि हां, तो राज्य-वार ब्यौरा और इस प्रकार के अंतर के कारण क्या हैं; और
(ङ) उत्पादन संबंधी प्रयोजनों के लिए इस वर्षा का प्रभावी उपयोग करने हेतु उठाए गए/उठाए जाने वाले कदमों का ब्यौरा क्या हैं?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क)-(ख) वास्तविक वर्षा और वर्षा की तीव्रता का विवरण अनुलग्नक-I में दिया गया है।

(ग) - (घ) जी हाँ । भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने दक्षिण पश्चिम मानसून के मौसम जून से सितंबर (जेजेएएस) के दौरान हाल के 30 वर्षों (1989- 2018) के आईएमडी के प्रेक्षण डेटा के आधार पर राज्य और जिला स्तर पर 29 राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों में देखी गई मानसूनी वर्षा परिवर्तनशीलता और परिवर्तनों का विश्लेषण किया और 30 मार्च 2020 को एक रिपोर्ट जारी की। प्रत्येक राज्य और संघ राज्य क्षेत्रों में वर्षा परिवर्तनशीलता और इसकी प्रवृत्ति पर रिपोर्ट "प्रकाशन" के तहत आईएमडी वेबसाइट **(https://mausam.imd.gov.in/)** और आईएमडी पुणे की वेबसाइट;
http://www.imdpune.gov.in/hydroology/rainfall%20variability%20page/rainfall%20trend.html पर उपलब्ध हैं।

रिपोर्ट के मुख्य अंश नीचे दिए गए हैं;

- पांच राज्यों, उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, मेघालय और नागालैंड में हाल के 30 वर्षों की अवधि (1989-2018) के दौरान दक्षिण-पश्चिम मानसून वर्षा में उल्लेखनीय कमी की प्रवृत्ति देखी गई है।
- अरुणाचल प्रदेश और हिमाचल प्रदेश राज्यों के साथ इन पांच राज्यों में वार्षिक वर्षा में भी उल्लेखनीय कमी की प्रवृत्ति दिखाई देती है।
- अन्य राज्यों में इसी अवधि के दौरान दक्षिण-पश्चिम मानसूनी वर्षा में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं देखा गया।

- जिलेवार वर्षा को ध्यान में रखते हुए, देश में कई जिले हैं, जिनमें हाल के 30 वर्षों की अवधि (1989-2018) के दौरान दक्षिण-पश्चिम मानसून और वार्षिक वर्षा में महत्वपूर्ण परिवर्तन देखे गए हैं। भारी वर्षा के दिनों की आवृत्ति के संबंध में, सौराष्ट्र और कच्छ, राजस्थान के दक्षिण-पूर्वी भागों, तमिलनाडु के उत्तरी भागों, आंध्र प्रदेश के उत्तरी भागों और दक्षिण-पश्चिम ओडिशा के आसपास के क्षेत्रों, छत्तीसगढ़ के कई हिस्सों, दक्षिण-पश्चिम मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, मणिपुर और मिजोरम, कोंकण और गोवा और उत्तराखंड में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है।

(ङ) मंत्रालय में अनुसंधान एवं विकास की गतिविधियों के लिए वर्षा भिन्नता जानकारी का उपयोग किया जाता है और इसके प्रभावी उपयोग और योजना के लिए अन्य हितधारकों के साथ साझा किया जाता है।

अनुलग्नक-I

राज्यवार वर्षा (मिमी.) वितरण					
क्र. सं.	राज्य	अवधि: 01.06.2021 से 31.10.2021			
		वास्तविक	सामान्य	% विचलन	वर्ग
1	अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह (संघ राज्य क्षेत्र)	2438.1	1936.2	26%	ई
2.	अरुणाचल प्रदेश	1423.4	1911.5	-26%	डी
3.	असम	1271.8	1614.3	-21%	डी
4.	मेघालय	2460.9	3124.3	-21%	डी
5.	नागालैंड	919.6	1261.8	-27%	डी
6.	मणिपुर	635.1	1567.7	-59%	डी
7.	मिजोरम	1393.7	1858.8	-25%	डी
8.	त्रिपुरा	1349.6	1628.6	-17%	एन
9.	सिक्किम	2097.0	1773.6	18%	एन
10.	पश्चिम बंगाल	1817.9	1537.3	18%	एन
11.	उड़ीसा	1126.4	1255.5	-10%	एन
12.	झारखंड	1160.4	1129.4	3%	एन
13.	बिहार	1234.5	1078.8	14%	एन
14.	उत्तर प्रदेश	838.3	821.2	2%	एन
15.	उत्तराखंड	1356.1	1212.2	12%	एन
16.	हरियाणा	601.1	448.4	34%	ई
17.	चंडीगढ़(संघ राज्य क्षेत्र)	641.2	868.7	-26%	डी
18.	दिल्ली	801.9	597.5	34%	ई
19.	पंजाब	473.0	476.2	-1%	एन
20.	हिमाचल प्रदेश	748.2	791.0	-5%	एन
21.	जम्मू एंड कश्मीर (संघ राज्य क्षेत्र)	502.3	601.7	-17%	एन
22.	लद्दाख (संघ राज्य क्षेत्र)	26.1	41.2	-37%	डी
23.	राजस्थान	506.3	425.0	19%	एन
24.	मध्य प्रदेश	997.9	972.3	3%	एन
25.	गुजरात	718.8	709.1	1%	एन
26.	दादरा एवं नागर हवेली (संघ राज्य क्षेत्र)	2785.1	2202.1	26%	ई
27.	दमन और दीव (संघ राज्य क्षेत्र)	1886.1	1645.0	15%	एन
28.	गोवा	3396.1	3131.0	8%	एन
29.	महाराष्ट्र	1281.7	1075.3	19%	एन
30.	छत्तीसगढ़	1147.2	1201.5	-5%	एन
31.	आंध्र प्रदेश	732.2	680.3	8%	एन
32.	तेलंगाना	1103.3	844.3	31%	ई
33.	तमिलनाडू	621.4	513.2	21%	ई
34.	पुडुचचेरी	816.3	687.6	19%	एन
35.	कर्नाटक	1054.7	971.8	9%	एन
36.	केरल	2309.0	2352.7	-2%	एन
37.	लक्षद्वीप (संघ राज्य क्षेत्र)	950.9	1155.4	-18%	एन
पूरे देश के रूप में		975.7	956.6	2%	

राज्यों की संख्या श्रेणीवार वितरण	
श्रेणी	अवधि: 01.06.2021 से 31.10.2021 सं. राज्य/संघ राज्य क्षेत्र
भारी मात्रा	0
अधिक	6
सामान्य	23
कम	8
बहुत कम	0
कोई बारिश नहीं	0
कोई आंकड़ें उपलब्ध नहीं है।	0

श्रेणी
एलई **(अत्यंत अतिशय)** (+60% अथवा अधिक)
ई **(अतिशय)** (+20% से +59%)
एन **(सामान्य)** (+19% से -19%)
डी **(कम)** (-20% से -59%)
एलडी **(अत्यंत कम)** (-60% से -99%)
एनआर **(अनावृष्टि)** -100%)
एलपीए लंबी अवधि का औसत

******